तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 9.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

11 टेकराम कंडेला को सर्वसम्मति से कंडेला जन कल्याण...

11 जीवन की पहली जरूरत खुशी : गीतांजलि

खबर संक्षेप

पराली अवशेष जलाए जाने पर छह पर केस

जींद। जिले में रोक के बाद भी पराली अवशेष जलाने पर संबंधित थाना पुलिस ने कृषि विभाग के अधिकारियों की शिकायत पर छह लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर रोक लगाई हुई है।

दो कारों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

कैथल। सीवन के पास शुक्रवार शाम को हुई दो कारों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीवन निवासी 50 वर्षीय जयभगवान के रूप में हुई है। स्वजन ने बताया कि जयभगवान अपनी गाड़ी में पटियाला गया था और वहां से वापस लौट रहा था। जैसे ही वह शाम को सीवन के पास पहुंचा तो एक कार चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी थी।

ढाई साल से फरार चल रहा अफीम तस्कर काबू

जींद। सीआईए स्टाफ सफीदों ने ढाई साल से फरार चल अफीम तस्कर को गिरफ्तार कर कोर्ट से पांच दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपित से उसके नशा नेटवर्क के बारे में पूछताछ करेगी। सफीदो के डीएसपी गौरव शर्मा ने बताया कि 17 मार्च 2023 को सफीदों पुलिस ने राजस्थान निवासी दलीप को दो किलो 15 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया था।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

कैथल। युवती का शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में सिटी थाना पुलिस ने आरोपित युवक राहुल के विरुद्ध सिटी थाना में केस दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को हुई कष्ट निवारण समिति की बैठक में 24 वर्षीय युवती ने मंत्री अनिल विज के सामने शिकायत दी थी। इसके बाद रात को ही पुलिस ने आरोपित युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

महिला से मारपीट तीन के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव हरिगढ़ में पानी का खाल तोडऩे का विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट की गई। सदर थाना सफीदों पुलिस ने महिला की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव हरिगढ़ निवासी शीला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके खेत में रंग भरी खाल है। जिसने पडोसी कृष्ण परिवार ने तोड़ दिया। जब उसने विरोध किया तो कृष्ण परिवार ने उस पर हमला कर घायल कर दिया।

अमानवीय तरीके से पशुओं को लेकर जा रहे दो दबोचे

कैथल। थाना तितरम पुलिस ने देर रात की नाकाबंदी के दौरान अवैध पशु ढुलाई का बड़ा मामला पकड़ा है। पुलिस टीम ने एक बोलेरो मैक्स पिकअप में अमानवीय तरीके से ठूंस कर भरे गए 5 भैंस व 1 कटड़ा बरामद करते हुए वाहन सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गांव हाडवा में महिला संदिग्ध हालात में गायब

जींद। हाडवा में घर से प्लाट के लिए निकली महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव हाडवा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी पुत्रवधु घर से प्लाट के लिए निकली थी। जिसके बाद वापस नही लौटी। तलाशने करने पर कोई सुराग नही लगा।

घर से आभूषण व नकदी चोरी का आरोपित दबोचा

कैथल। मकान में सेंधमारी करके आभूषण व नकदी चोरी मामले की जांच चौकी पूंडरी पुलिस के एचसी विकास की टीम द्वारा करते आरोपी गांव रमाना रमाणी निवासी सुनील को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फतेहपुर निवासी राकेश की शिकायत अनुसार 29 अगस्त को उनके गेट की ग्रिल टुटी हुई थी।

छह दिन के लिए चिकित्सकों का रोस्टर तैयार, घुटने और कुल्हे भी बदले जाएंगे

नागरिक अस्पताल ने तैयार किए पांच ऑपरेशन थिएटर

नागरिक अस्पताल में सर्जिकल सप्ताह की तैयारियां शुरू

पहली बार होंगे इतनी संख्या में एक सप्ताह में आपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में पहली बार आयुष्मान के तहत सर्जिकल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह में मरीजों के भारी संख्या में आपरेशन किए जाएंगे। जिसके लिए अस्पताल में पांच आपरेशन थिएटर तैयार किए गए हैं। सुबह से शाम तक पांचों आपरेशन थिएटर चलाए जाएंगे। अस्पताल प्रशासन ने चिकित्सकों का रोस्टर भी तैयार कर दिया है। सभी सर्जरी के चिकित्सक पूरे छह दिन तक ओपीडी से आपरेशन थिएटर में ही नजर आएंगे। अस्पताल में घुटना से लेकर कुल्हा तक बदला जाएगा। ऐसा पहली बार हो रहा हैए जब अस्पताल में ऐसे आपरेशन किए जाएंगे। नागरिक अस्पताल में हैं पांच आपरेशन थिएटर नागरिक अस्पताल में पांच आपरेशन थिएटर हैं। इनमें अलग-अलग मरीजों के लिए अलग.अलग आपरेशन थिएटर बनाए गए हैं। नागरिक अस्पताल में पहली बार ऐसा हो रहा हैए जब पांचों आपरेशन थिएटर पूरे छह दिन तक चलते रहेंगे। इससे जिले के मरीजों को काफी लाभ होगा। जो मरीज काफी दिन से आपरेशन करवाने के लिए चक्कर काट रहे थे। अब उनको इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सब आयुष्मान के तहत होगा। सभी प्रकार के आपरेशन निशुल्क किए जाएंगे। इस सप्ताह में मरीजों के भारी संख्या में आपरेशन किए जाएंगे। जिसके लिए अस्पताल में पांच आपरेशन थिएटर तैयार किए गए हैं। सुबह से शाम तक पांचों आपरेशन थिएटर चलाए जाएंगे। अस्पताल प्रशासन ने चिकित्सकों का रोस्टर भी तैयार कर दिया है। सभी सर्जरी के चिकित्सक पूरे छह दिन तक ओपीडी से आपरेशन थिएटर में ही नजर आएंगे। घुटना से लेकर कुल्हा तक बदला जाएगा।

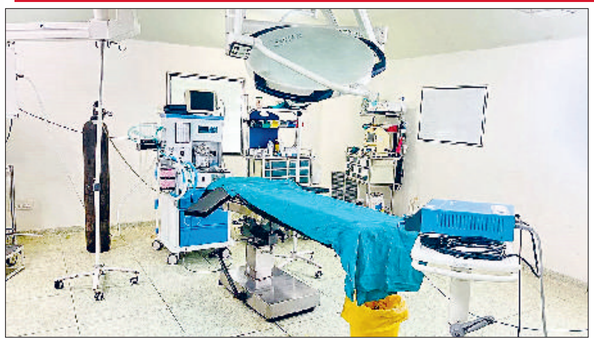

जींद। नागरिक अस्पताल में तैयार किया गया आपरेशन थिएटर।

इन चिकित्सकों की रहेगी ड्यूटी

सर्जन डा. कर्मवीर तथा दीपक की सभी छह दिन सुबह व शाम को ड्यूटी रहेगी। 21 व 22 को डा. शुभम की ड्यूटी रहेगी। एनेस्थीसिया के लिए डा. विशाल तथा डा. तुषार की सुबह, डा. सुक्रीति और डा. मृत्युंज्य की शाम को ड्यूटी रहेगी। हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. संतलाल तथा डा. योगेश मलिक सुबह व शाम को आपरेशन करेंगे। आंखों के आपरेशन के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. गीतांशु तथा डा. खुशबू की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा एकमात्र ईएनटी स्पेशलिस्ट डा. अरविंद नाक, कान व गला के आपरेशन करेंगे।

अस्पताल में ये होंगे आपरेशन

नागरिक अस्पताल में 17 से 22 नवंबर तक दूरबीन से सभी प्रकार के आपरेशन जैसे पित्त की थैली, हड्डियों के सभी प्रकार के आपरेशन जैसे घुटना या कुल्हा बदलना, आंखों के मोतियाबिंद के आपरेशन, बच्चेदानी के सभी आपरेशन, सभी प्रकार के हार्नियाए अपेंडिक्सए टान्सिल का आपरेशन, कान के पर्दे का आपरेशन, गला व जीभ की गांठ का आपरेशन, अंडकोष में पानी भरना आदि के आपरेशन किए जाएंगे। इसके अलावा भी कई प्रकार के आपरेशन किए जाएंगे।

पांच आपरेशन थिएटर तैयार

पीएमओ डा. रघुवीर पूनियाने बताया कि जो चिकित्सक शाम को आपरेशन करेंगे। वह सुबह ओपीडी करेंगे। सुबह नौ बजे से लेकर शाम तक आपरेशन किए जाएंगे। इस सप्ताह कोशिश रहेगी की अधिक से अधिक मरीजों के आपरेशन किए जाएं। नागरिक अस्पताल में पांच आपरेशन थिएटर तैयार किए गए हैं। आपरेशन करने वाले सभी चिकित्सकों की ड्यूटी का रोस्टर बना दिया गया है। सुबह व शाम के लिए चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई है।

जांच के तुरंत बाद आपरेशन

नागरिक अस्पताल में आपरेशन के लिए आने वाले मरीजों की जांच के तुरंत बाद उनके आपरेशन किए जाएंगे। सोमवार से शुरू होने वाले आपरेशन सप्ताह के लिए मरीजों की सूची तैयार की जा रही है। इसके अलावा जो मरीज आएंगे। उनके उसी दिन समय मिला तो आपरेशन किए जाएंगे अन्यथा अगले दिन किए जाएंगे। आपरेशन से पहले मरीज को अपनी फिटनेस जांच करवानी होगी। जिसमें कुछ टेस्ट करवाने होंगे।

जींद। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो :हरिभूमि

दूसरे को फंसाने के लिए खुद को मारी थी गोली, अब रिमांड पर

» शराब ठेके को लेकर विवाद में दूसरे पक्ष के घर पर फायरिंग का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

गांव बीबीपुर में लगभग पांच माह पहले फायरिंग में घायल युवक ने दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए खुद को गोली मार कर घायल किया था। सदर थाना पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर अदालत से दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव घिमाना निवासी सुरेंद्र ने गत नौ जून को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि था कि उसकी गांव बीबीपुर के कुछ युवकों के साथ शराब ठेके को लेकर रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते दूसरे पक्ष ने उस पर फायर कर दिया। जिसमें वह गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने सुरेंद्र की शिकायत पर कुछ युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने गांव बीबीपुर में एक मकान पर फायरिंग की थी। दूसरे पक्ष को फंसाने के लिए खुद को गोली मार कर घायल किया। सदर थाना पुलिस ने आरोपित सुरेंद्र के खिलाफ शस्त्र अधिनियम, गुमराह करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया। सदर थाना की जांच अधिकारी राजेश ने बताया कि आरोपित ने आरोपों से बचने के लिए खुद का गोली मार कर घायल किया था। आरोपित को गिरफ्तार कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में चाचा भजीता सहित तीन लोगों की जान गई

- शिकायत के आधार पर राजौंद थाना में मामला दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

दो अलग-अलग सड़क हादसों में चाचा-भजीता सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पहले मामले में गांव किठाना निवासी सुरेश की शिकायत पर राजौंद थाना में केस दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया कि उसका 20 वर्षीय बेटा आशु धीमान 12वीं में पढ़ाई करता था। इसके साथ वह कैथल में शीशे की दुकान पर काम सीख रहा था। मेरे बड़े भाई राजेंद्र का पोता 20 वर्षीय निदेश राजमिस्त्री का कार्य करता था। रिश्ते में आशु चाचा और दिनेश भजीता लगता था। 13 नवंबर को दोनों बाइक पर गांव से काम करने के लिए कैथल गए थे। शाम को करीब साढे छह बजे दोनों कैथल से गांव की तरफ आ रहे थे। आशु बाइक चला रहा था और दिनेश पीछे बैठा था। मैं भी किठाना से गुलियाना वाली सड़क पर खाना खाने के बाद सैर कर रहा था। शाम को सात बजे किठाना से 200 मीटर पीछे ईंट-भट्ठा के पास गांव की तरफ से कैथल जा रहे पराली से ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली चालक ने आशु की बाइक को टक्कर मार दी।

लापरवाही से हादसा

टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर का पहिया उनके ऊपर से निकल गया था। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसी समय डायल 112 को सूचना दे दी गई थी। आशु को डायल 112 की गाड़ी में नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे और कुछ देर बाद दिनेश को भी एंबुलेंस अस्पताल ले आई थी। डाक्टरों ने दिनेश को मृत घोषित कर दिया था और आशु को हायर सेंटर रेफर किया था। आशु को चंडीगढ़ पीजीआइ ले जाने लगे तो रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से ही यह हादसा हुआ है। राजौंद थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच एसआइ दलबीर सिंह को सौंप दी गई है।

भाजपा ने परिवारवाद को किया समाप्त : अत्री

» उचाना मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र, वाइस चेयरमैन प्रवीण ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

उचाना कपास मंडी स्थित किसान सेवा सदन के परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। नवनियुक्त मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा, वाइस चेयरमैन प्रवीण गर्ग उचाना खुर्द ने शपथ लेने के बाद अपना कार्यभार संभाला। मुख्यअतिथि के तौर पर उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। मंच संचालन संजय चहल ने किया। नवनियुक्त मार्केट कमेटी सदस्य भी कार्यक्रम में पहुंचे। सदस्यों का स्वागत करने के साथ-साथ पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए पौधे भी दिए। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। बिहार की जनता का आभार व्यक्त करते है जिन्होंने विकास को चुना है। प्रचंड बहुत के साथ एनडीए बिहार में सत्ता में आई है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के तहत भाजपा कार्य कर रही है। पहले की सरकारों में क्षेत्रवाद, परिवारवाद की राजनीति होती थी।

विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री का हल भेंट कर स्वागत करते हुए।

समान विकास

भाजपा ने सत्ता में आने के बाद समान विकास करवाया है तो मेरिट के आधार पर रोजगार दिया। उचाना परिवारवाद का सबसे बड़ा उदाहरण है। विकास के नाम पर भाजपा को वोट मिले हैं। बिना पर्ची बिना खर्ची रोजगार देकर भाजपा ने दिखाया है। विकसित उचाना का सपना पूरा करेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी रात को दो बजे तक लोगों से मिलते है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। अपनी नाकामी को छिपाने के लिए कभी कोई मुद्दा तो कभी कोई मुद्दा बनाती है।प्रवीण गर्ग ने कहा कि विधायक की अगुवाई में किसान, आढ़तियों, मजदूरों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर गौरव भारद्वाज, ओमप्रकाश थुआ, रिछपाल शर्मा, विकास श्योकंद सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सीएम ने में रन फॉर यूनिटी के प्रतिभागियों का बढ़ाया हौसला

कैथल। शनिवार को एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी से कैथल तक निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी में अचानक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का काफिला रुका। दरअसल मुख्यमंत्री शनिवार को हिसार के गांव खरक में पूनिया खाप द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में जा रहे थे। गांव कयोडक़ के निकट सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी को देखकर मुख्यमंत्री ने अपना काफिला रुकवाया। वे अपनी गाड़ी से उतरे और पूर्व विधायक लीला राम सहित अन्य कार्यकर्ताओं से रन फॉर यूनिटी के रूट बारे जानकारी हासिल की। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं का हाल-चाल जाना। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का हौसला भी बढ़ाया। बाद में इस यात्रा में सांसद नवीन जिंदल भी शामिल हुए और सभी को सरदार पटेल के एकता के सन्देश अनुसार राष्ट्रीय एकता मज़बूत करने का आह्वान किया। अवसर पर भाजपा जिला भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा तस्करों पर कैथल पुलिस का शिकंजा

- स्पेशल डिटेक्टिव युनिट ने नशा तस्करी कर रहे पंजाब निवासी 2 नाबालिग पकड़े, 14.70 ग्राम हेरोइन बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

नशा मुक्त जिला मुहिम तहत एसपी उपासना के आदेशानुसार नशा तस्करों पर कैथल पुलिस द्वारा लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा थाना शहर क्षेत्र से नशा तस्करी कर रहे पंजाब निवासी 2 नाबालिग युवकों को पकड़ा गया है। जिनके कब्जे से 14.70 ग्राम हैरोइन बरामद हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश कुमार की अगुवाई में एएसआई अजीत सिंह की टीम को गश्त दौरान एक गुप्त जानकारी मिली कि दो युवक पंजाब नंबर की डिलक्स बाइक पर नशीला पदार्थ स्मैक बेचने के लिए आने वाले है। जिन्हे खनौरी बाईपास कैथल से नाकाबंदी करके नशीला पदार्थ सहित काबू किया जा सकता है। इसी कड़ी में स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा थाना शहर क्षेत्र से नशा तस्करी कर रहे पंजाब निवासी 2 नाबालिग युवकों को पकड़ा गया है। जिनके कब्जे से 14.70 ग्राम हैरोइन बरामद हुआ है। सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम द्वारा रेडिंग पार्टी का गठन करके खनौरी बाईपास कैथल के पास वाहनों की निगरानी शुरु की गई। अंडर ब्रिज खनौरी बाईपास कैथल के पास से उक्त बाइक पर सवार दो युवकों को पुलिस द्वारा काबू कर लिया गया। जिनकी पहचान जिला पटियाला पंजाब के गांव गुलाड तथा गांव गलोली निवासी 17-17 वर्षीय दो किशोर के रूप में हुई।

कार्रवाई की जा रही

पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी बीरभान के समक्ष नियमानुसार ली गई तलाशी दौरान युवको के कब्जे में प्लास्टिक पन्नी से 14.70 ग्राम हेरोइन चिट्टा बरामद हुआ। दोनो नाबालिगों के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज आगामी जांच एसआई मुकेश कुमार द्वारा करते हुए नशा तस्करी में प्रयुक्त बाइक को जब्त कर लिया गया। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

पूंडरी। स्कूल के कमरों का उद्घाटन करते विधायक सतपाल जांबा।

विधायक ने करोड़ों के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

पूंडरी। पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए, विधायक सतपाल जांबा ने शनिवार को 3.01 करोड़ की लागत से विभिन्न स्कूलों और गांवों में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस पहल से क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे और ग्रामीण सुविधाओं को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी, जिससे 'जनसेवा ही हमारा संकल्प' के नारे को साकार किया जा रहा है। विधायक जांबा ने कहा कि शिक्षा और आधारभूत सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के विकास की धुरी होती हैं। उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के हर नागरिक को बेहतर से बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है और यह विकास कार्य उसी दिशा में एक ठोस कदम है। हमारा प्रयास है कि पूंडरी विधानसभा क्षेत्र हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी क्षेत्रों में शामिल हो। शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के उद्देश्य से विधायक जांबा ने चार स्कूलों में पूर्ण कार्यों का उद्घाटन किया और एक में शिलान्यास किया। जिसमें राजकीय वमावि फतेहपुर मे 81 लाख से 7 नए कमरे और एक चारदीवारी का निर्माण, राजकीय वमावि करोड़ा में 40 लाख रुपये से बिल्डिंग रिपेयर और रास्ते का निर्माण, रावमावि बरसाना में 28 लाख से बिल्डिंग रिपेयर और रास्ता निर्माण, राजकीय हाई स्कूल सांच मे 84 लाख की लागत से एक आधुनिक हॉल का निर्माण शामिल है।

महाराजा शूरसेन जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

आज 49 बसें नारनौल जाएंगी, बढ़ेगी दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

महाराजा शूरसेन जयंती पर नारनौल में रविवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें जींद डिपो से 49 बस जाएंगी। वहीं 14 नवंबर को भी राई में आयोजित दादा कुशाल सिंह दहिया का बलिदान दिवस संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना कार्यक्रम में डिपो से 35 बस गई थी। जिससे यात्रियों को ग्रामीण रूटों पर परेशानी का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को नारनौल में आयोजित राज्य स्तरीय महाराजा शूरसेन जयंती कार्यक्रम में डिपो से 49 बस जा रही हैं। ऐसे में यात्रियों को फिर से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जींद डिपो में इस समय रोडवेज बसों की संख्या लगभग 170 हैं और परिवहन समिति की बसों की संख्या 162 है। जींद डिपो की बसों में हर रोज लगभग 15 हजार यात्री सफर करते हैं। जिससे डिपो को एक दिन में लगभग दस लाख रुपये से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होता है। हांसी, असंध, नरवाना गोहाना और पानीपत जैसे लोकल रूट पर यात्रियों को प्राइवेट बसों का ही आसरा होता है। जिलेभर में अलग-अलग रूटों पर 162 प्राइवेट बसें दौड़ रही हैं। इनमें नरवाना रूट पर 31, असंध रूट पर 16, गोहाना और बरवाला रूट पर 19, हांसी रूट पर 26, पुंडरी रूट पर तीन, जींद से पानीपत रूट पर 26, पिल्लूखेड़ा से रोहतक रूट पर पांच, नरवाना से हांसी रूट पर पांच, नरवाना से कैथल रूट पर 24 और नरवाना से हिसार रूट पर 20 निजी बसें शामिल हैं जिसके चलते 49 रोडवेज बस जाने पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जींद से जाएंगी 49 बसें : सुनील

जींद बस अड्डा के डीआई सुनील ने बताया कि प्रयास किया जाएगा कि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए। नारनौल में आयोजित महाराजा शूरसेन जयंती कार्यक्रम के लिए जींद से 49 बस जाएंगी। रविवार को जिस रूट पर यात्रियों की संख्या ज्यादा होगी, उस रूट पर बसों का संचालन किया जाएगा।

जमीन की सौदेबाजी कर साढ़े 36 लाख हड़पने का आरोपित दबोचा

- जमीन की रजिस्टरी करवाने तथा राशि वापस लौटाने से मना करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जमीन की सौदेबाजी कर साढ़े 36 लाख रुपये हड़पने के एक आरोपित को शहर थाना सफीदों पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव मालसरी खेड़ा निवासी अजमेर ने गत 23 जुलाई को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके साथ गांव भम्भेवा निवासी जयबीर ने जमीन का सौदा किया था। जिसके बदले साढ़े 36 लाख रुपये आरोपित को देकर फुल पेमेंट एग्रीमेंट कर लिया गया। बाद में जब उसने आरोपित से रजिस्टरी करवाने को कहा तो उसने ना तो रजिस्टरी करवाई तथा न ही उसकी राशि लौटाई। जब उसने राशि के लिए दबाव बनाया तो उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। शहर थाना सफीदों पुलिस ने अजमेर की शिकायत आरोपित जयबीर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते आरोपित जयबीर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेसः यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

खबर संक्षेप

यूपी में भारत की खापों की महापंचायत आज

जींद। समाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, सामाजिक कानूनों को रद्द करवाने, खाप पंचायतों में जागरूकता पैदा करने के लिए भारत की खापों की महापंचायत गांव सोरम जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश में 16 से 18 नवंबर तक आयोजित की जा रही है। जिसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड और भी जहां जहां खाप पंचायतों का अस्तित्व है।

डीएन स्कूल में स्पोर्ट मीट का आयोजन

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में आज बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के हेड ब्वाय अंकित बारहवीं आट्र्स व प्राची बारहवीं आट्र्स ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रिंसिपल राज रेढू ने की तथा निदेशक वीरेन्द्र ढिल्लों भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बागवानी फसलों की खेती के लिए मिलेगा अनुदान

जींद। किसानों को बागवानी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को बागवानी, फलों, सब्जियों फूलों और मसालों की खेती के लिए सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। बागवानी खेती में फलों के नए बाग लगाना, सब्जियों की खेती एकीकृत मॉडल के साथ करना, फलों की खेती, मसालों की खेती तथा खुशबूदार पौधों की खेती करना जैसे मद शामिल हैं।

बच्चे भारत का उज्जवल भविष्य : भारत भूषण

जींद। एक भारत परिवार फाउंडेशन द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष में एक प्रेरणादायी एवं संस्कारपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. भारत भूषण टाक मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आदि अशवनी कांगड़ा, मनोनीत पार्षद सुनील नायक, गीता कंडेला, राकेश इंदौरा उपस्थित रहे।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना कारगर साबित

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख तक का बीमा होता है। बताया कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं।

दिव्यांग बालिका के आवेदन पत्र 30 नवंबर तक आमंत्रित

कैथल। जिला बाल कल्याण अधिकारी बलबीर चौहान ने बताया कि राज्य बाल कल्याण परिषद के निर्देश अनुसार राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में 60% या इससे अधिक दिव्यांग बालिका, जिसने शिक्षा, कला, सामाजिक कार्य के क्षेत्र इत्यादि में अनुकरणीय उपलब्धियां हासिल की हो,उन सभी बालिकाओं की सूचना पूर्ण विवरण चिकित्सा प्रमाण पत्र सहित सीधे निदेशक, महिला बाल विकास विभाग पंचकुला हरियाणा में भिजवाई जाए।

दुकान में दिन दिहाड़े चोरी का किया प्रयास

जुलाना। जुलाना कस्बे की नई अनाजमंडी में दिन दिहाड़े चोरी का प्रयास किया गया। शिकायत पुलिस को दी। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी हुई है। जुलाना की अनाज मंडी की दुकान नंबर 193 नंबर के आढ़ती रामतिलक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दोपहर को खाना खाने के लिए गया था।

रास्ता रोक चोटे मारने के मामले में आरोपित दबोचा

कैथल। रास्ता रोककर हमला कर चोटे मारने के मामले की जांच सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत की अगुवाई में एएसआई बजिन्द्र सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी कैलरम निवासी अजय को काबू कर लिया गया। तीनो आरोपी शनिवार को कोर्ट में पेश किए जाएंगे पूछताछ की जा रही है।

बाबा बंदा सिंह बहादुर के प्रकाशोत्सव पर भव्य नगर कीर्तन

गुरु की शिक्षाओं पर अमल कर उनके पदचिन्हों पर चलें: गगनदीप

अर्जुन स्टेडियम में तीन दिवसीय 79वां वार्षिक दीवान श्रद्धा से मनाया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बाबा बंदा सिंह बहादुर सिख संप्रदाय (भारत) रजि. के तत्वावधान में शनिवार को बाबा बंदा सिंह बहादुर के के प्रकाशोत्सव पर भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन अर्जुन स्टेडियम से शुरू होकर कुंदन सिनेमाए महाराजा अग्रसेन स्कूल से होते हुए शहर में निकला। नगर कीर्तन के दौरान साध संगत ने वाहेगुरू की जयकार की और नाम जप किया। इस दौरान गतखा पार्टियों ने करतब दिखा कर सबको अचंभित कर दिया।

गौरतलब है कि अर्जुन स्टेडियम में तीन दिवसीय 79वां वार्षिक दीवान श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जा रहा है। वार्षिक दीवान के दूसरे दिन शहर में नगर कीर्तन का निकाला गया। बाबा बंदा सिंह बहादुर सिख संप्रदाय (भारत) रजि. के राष्ट्रीयध्यक्ष डा. शिव शंकर पाहवा ने बताया कि वार्षिक दीवान वह धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम होता है। जिसमें उन महान शहीदों को याद किया जाता है। जिन्होंने देश को आजाद करवाया। कार्यक्रम में दसवें वंशज एवं वर्तमान गद्दीनशीन डेरा बाबा बंदा बहादुर रियासी (जम्मू कश्मीर) बाबा जतिंद्रपाल सिंह सोढी का सानिध्य प्राप्त हुआ है। 15 नवंबर शनिवार को मध्य की अरदास, कीर्तन एवं प्रवचन में कथा वायक भाई हरजीत सिंह हरमन शाहबाद वालों ने गुरू की महिमा का बखान किया। वहीं रात्रि आठ से दस बजे तक लाइट, साइट व साउंड कार्यक्रम होगा। बाबा बंदा बहादुर के प्रकाश उत्सव पर गगनदीप सिंह अरोड़ा ने कहा कि हमें अपने गुरुओं की शिक्षाओं पर अमल करते हुए उनके बताए पदचिन्हों पर चल कर देश और धर्म का विकास करना है। गुरु तेग बहादुर साहिब ने देश और धर्म की खातिर अपने आप को ही नही बल्कि अपने पूरे सरबंश को कुर्बान कर दिया और उसी कुर्बानी के सदके आज हम मंदिरों में राम-राम और गुरुद्वारों में वाहेगुरु-वाहेगुरु का जाप करने के काबिल बने हैं।

जींद। नगर कीर्तन की अगुवाई करते पंज प्यारे। फोटो :हरिभूमि

जींद। नगर कीर्तन के दौरान गतखा खलते हुए। फोटो :हरिभूमि

आज डाला जाएगा अखंड साहिब पाठ का भोग

16 नवंबर को श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल, सीएम नायब सैनी, डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री दिल्ली सरकार मनजिंद्र सिंह, हांसी विधायक विनोद भ्याणा, बवानीखेड़ा विधायक कपूर को निमंत्रण दिया है।

व्याख्यान का आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय सोशल साइंस सोसायटी, समाज शास्त्र विभाग एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरु तेग बहादुर के महान शहादत दिवस पर विशेष विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सत्यवान मलिक ने की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान विश्व इतिहास में अद्वितीय है और आज भी मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक सद्भाव के लिए प्रेरणा देता है। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता डा. सलेंद्र इतिहास विभाग चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने गुरु तेग बहादुर की शहादत के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान मानव मूल्यों, धार्मिक सहिष्णुता और सार्वभौमिक भाईचारे का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुरु तेग बहादुर के जीवन, त्याग और धार्मिक स्वतंत्रता के प्रति उनके सर्वोच्च समर्पण से परिचित कराना था।

मोतीलाल स्कूल के छात्र साहिल का जूडो में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में शानदार जीत प्राप्त की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के लिए यह गर्व और उत्साह का क्षण है कि विद्यालय के छात्र साहिल पुत्र सुरेश ने जूडो में राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में शानदार जीत दर्ज कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता झज्जर में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। अनेक प्रतियोगियों और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच साहिल ने न केवल अपने दमदार प्रदर्शन और अनुशासन का परिचय दिया बल्कि अपने खेल कौशल के बल पर राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया। उपलब्धि के साथ ही साहिल का राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप के लिए चयन भी सुनिश्चित हो गया है। जो पूरे विद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। झज्जर में आयोजित राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में साहिल ने अपने वर्ग के अंतर्गत कड़ी चुनौती का सामना किया। प्रारंभिक मुकाबलों से लेकर फाइनल तक हर चरण में उसने बेहतरीन तकनीक, फूर्ति और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उसके आक्रमण और बचाव के संतुलन, विरोधी की चाल समझने की क्षमता और निर्णायक क्षणों में सही तकनीक का उपयोग उसे अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता रहा।

जींद। साहिल को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

किठाना पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स मीट का भव्य आयोजन

राजौंद। गांव किठाना के किठाना पब्लिक स्कूल में 13 से 15 नवंबर तक वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव में इंडोर और आउटडोर दोनों श्रेणियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें स्कूल के चारों हाउस रेड, ग्रीन, येलो और ब्लू के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 13 तारीख को इंडोर गेम्स आयोजित किए गए,जिनमें टेबल टेनिस और चेस की प्रतियोगिताएं करवाई । छात्रों ने उत्कृष्ट खेल दक्षता और अनुशासन का परिचय दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने बैडमिंटन, रस्साकशी,मटकी रेस,नींबू रेस,खो-खो,रिले रेस और कबड्डी में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार विजेता हाउस और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। स्कूल प्राचार्या डा.सुमन ढांडा ने बताया कि ऐसे आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और छात्रों में खेल भावना, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का विकास करते हैं।

रिटायर्ड कर्मचारी व अधिकारी एसोसिएशन की मासिक बैठक

जींद। रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसो की मासिक बैठक प्रधान किताब सिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला जींद में शनिवार को संपन्न हुई। बैठक का एजेंडा महासचिव कुलदीप सिंह गोयत ने पेश किया। एजेंडे पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रधान ने बताया कि आठवें वेतन आयोग आयोग की टर्मस ऑफ रेफरेंस में रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन रिवीजन के मामले में स्थिति स्पष्ट नही है। जिससे रिटायर्ड कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बैठक में सरकार से मांग की कि इस बारे में सरकार स्थिति स्पष्ट करे। इसके साथ-साथ बताया कि जिन रिटायर्ड कर्मचारी का सेवानिवृत्ति के समय एक वर्ष का सेवाकाल पूरा हो चुका था और इंक्रीमेंट का लाभ नही मिला था, उनको एक इंक्रीमेंट का लाभ दिया है लेकिन पत्र अनुसार यह लाभ 30 जून 2006 से पहले रिटायर होने वाले कर्मचारियों पर लागू नहीं होता जबकि 30 जून 2006 से पहले रिटायर होने वाले कर्मचारियों का भी इस लाभ का हक बनता है।

विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य और सफल आयोजन

गुहला चीका। गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल अगोंध सीनियर सेकेंडरी स्कूल अगोंध में प्रिंसिपल संजय सिंह के मार्गदर्शन में पैरेंट–टीचर मीटिंग एवं विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य और सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पीटीएम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार तथा समग्र विकास पर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को मजबूत करना था। बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उपस्थित होकर अपने बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी ली और विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विज्ञान प्रदर्शनी रही, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, रोबोटिक्स, विज्ञान मॉडल, तकनीकी नवाचार आदि विषयों पर अपने रचनात्मक एवं वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित किए।

विद्यार्थी सकारात्मक सोच के साथ पत्रकारिता में आएं: नवीन मल्होत्रा

सकारात्मक खबरें किसी भी समाज को आगे बढ़ाने में सहायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राजकीय कालेज के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष में एक आतिथ्य व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार भाम्बू ने की और मुख्य वक्ता के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार नवीन मल्होत्रा और राजेन्द्र तंवर रहे। मुख्यवक्ता नवीन ने अपने अनुभव सांझा करते बताया कि पत्रकार को समाज में सकारात्मक ख़बरों को प्रमुखता देनी चाहिए।

महाविद्यालय के बच्चों को जर्नलिज्म के बारे में जानकारी देते नवीन मल्होत्रा।

तकनीकी ज्ञान में परांगत होना होगा

जिससे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो । अपने निजी जीवन का एक उदाहरण देते कहा कि एक स्थानीय किसान की जैविक खेती की स्टोरी को कवर किया। जिससे उस किसान के कार्य को प्रचार मिला और उसे राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला। इसलिए मीडिया के विद्यार्थियों को और अधिक सजगता से कार्य करना चाहिए। मीडिया में आने वाले एक-एक शब्द को सोच समझ से और तथ्यों की जांच के बाद लिखा जाता है क्योंकि लोकतंत्र के अन्य तीन स्तंभों की तरह ही मीडिया की भी समाज के प्रति जिम्मेदारी होती है । डॉ. मोनिका जाखड़ ने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर आने वाली ख़बरों को जांचना आना चाहिए। क्योकि वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक जानकारियां अधिक है । कहा कि 2025 के राष्ट्रीय प्रेस दिवस का थीम भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का पत्रकारिता पर प्रभाव है तभी वह तथ्यात्मक और संतुलित रिपोर्टिंग कर पाएंगे। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को संचार कौशल और तकनीकी ज्ञान में परांगत होना होगा। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य और जनसंचार विभाग प्राध्यापकों ने पौधा देकर अतिथियों का धन्यवाद किया। डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. मोनिका जाखड़, डॉ. अमित पाहवा, विरेंद्र खटकड़ और विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जीवन की पहली जरूरत खुशी : गीतांजलि कंसल

- माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरुकुल में छात्राओं ने सीखे हैप्पीनेस स्किल्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरुकुल पिल्लूखेड़ा में छात्राओं के लिए हैप्पीनेस कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता गुरूकुल कमेटी उप प्रधान मा आजाद सिंह कुंडू ने की। प्रधानाचार्य ज्योति ने मुख्यअतिथियों का स्वागत किया छात्राओं को जीवन में आत्मविश्वास से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। गीतांजलि कंसल ने कहा कि जीवन की पहली जरूरत खुशी है। जब छात्राएं खुद को नई चीजों से अपडेट रखेंगी, तो न सिर्फ उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े निर्णय भी बेहतर तरीके से ले सकेंगी। यह तभी होगा जब हम आंतरिक तौर पर खुश होंगे और हम में आत्मविश्वास होगा। ऐसे में सही फैसले लेने की क्षमता केवल अनुभव से नही बल्कि लगातार सीखने और कौशल विकसित करने से आएगी। गीतांजलि ने छात्राओं से सवाल-जवाब भी किए और उनके मन की बात को भी जाना। छात्राओं को संबोधित करते गीतांजलि कंसल ने कहा कि छात्राएं अपने जीवन में कई तरीकों से खुश रह सकते हैं। जैसे कि दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना, अपनी पसंद की गतिविधियों में भाग लेना।

सम्मेलन को संबोधित करते वुमेन ऐरा फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं समाजसेवी गीतांजलि कंसल।

कैंप में भाग लेते हुए छात्राएं।

हिंदू महाविद्यालय में फ्री स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया

जींद। हिंदू कन्या कालेज के यूथ रेडक्रास एवं जींद हार्ट अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में मुफ्त चेकअप कैंप का आयोजन हैबतपुर गांव की सैनी धर्मशाला में किया गया। कैंप की संयोजिका डा. सीमा दलाल कन्वीनर यूथ रेडक्रॉस एवं विनय कुमार रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने कैंप में जाने से पहले सभी छात्राओं को संबोधित करते कहा कि रेडक्रॉस के माध्यम से गांव वासियों को मुफ्त चिकित्सा प्रदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने छात्राओं को इस कार्य के लिए प्रेरित किया और महाविद्यालय से रवाना किया। कैंप में महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने भाग लिया और गांववासियों का चेकअप करते समय अनुशासन बनाए रखने में पूर्ण योगदान दिया। फ्री चेकअप कैंप में हृदय रोग विशेषज्ञ डा. सुमित खर्ब और डा. शुभम रिढाल ने अपनी पूरी टीम के साथ गांववासियों का चेकअप करने का कार्य किया और उन्हें मुफ्त दवाइयां भी प्रदान की। इस कैंप के दौरान लगभग 50 रोगियों का चेकअप किया गया। जिसके अंतर्गत रोगियों की ईसीजी, बुखार, खांसी, जुखाम, बीप, शुगर और हड्डियों की जांच की गई। उन्हें कैल्शियम और मल्टी विटामिन जैसी दवाइयां भी वितरित की गई। ग्रामीण वासियों ने इस प्रकार की मुफ्त चिकित्सा की भरपूर सराहना की।

सूचना

मैं, नेहा पत्नी अनिल कुमार निवासी खेड़ी गुलाम अली तहसील सीवन जिला कैथल (हरियाणा) बयान करती हूं कि मैने अपना नाम नेहा से बदलकर नेहा रानी रख लिया है। संबंधित कृपया नोट करें। आज के बाद से मुझे सभी उद्देश्यों के लिए नेहा रानी के नाम से जाना जाये

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ़, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजरी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव पलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सेक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं. 840/13, गली नं. 10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड़, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्जू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व डा. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं. 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शेशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बादली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

कार्यक्रम फाउंडेशन सामाजिक ताना-बाना बनाए रखने को लेकर करेगा काम : कंडेला

टेकराम कंडेला को सर्वसम्मति से कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन का राष्ट्रीयध्यक्ष मनोनित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनकल्याण फाउंडेशन व सर्वजातीय खाप पंचायत संयुक्त संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें टेकराम कंडेला को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। कंडेला ने कहा कि हमारा फाउंडेशन हरियाणा में नशा मुक्त करना, सामाजिक ताना-बाना बनाए रखने, एलीव इन रिलेशनशिप को बंद करवाना, गरीब बच्चों व खिलाडिय़ों की आर्थिक मदद करना, पर्यावरण व जल बचाना, किसानों को लाभकारी भाव दिलवाना, बढ़ते नशाखोरी को प्रदेश क्षेत्र में रोक लगाने के लिए काम करेगा। कंडेला ने कहा कि जनकल्याण मंच सर्वखाप व संयुक्त किसान संगठन लंबे समय से कार्य कर रहा है। फाउंडेशन का गठन नए सिरे से किया है। लोगों से अपील की कि फाउंडेशन से जुड़ने के लिए देश को आगे बढ़ाने के लिए व सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए संगठन के साथ ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुडऩे का काम करें। कहा है कि पदाधिकारी की पहली सूची जारी कर दी गई है। अमित मलिक को फाउंडेशन संगठन का महामंत्री बनाया है। सुल्तान सिंह को राष्ट्रीय प्रेस प्रवक्ता बनाया है। धर्मपाल नगूरां, रोशन लाल शर्मा को राष्ट्रीय उपप्रधान बनाया है। अजय खोखरी को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया।

जींद। टेकराम कंडेला को राष्ट्रीयध्यक्ष मनोनित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

जनकल्याण फाउंडेशन को जोडने का कार्य किया जाए व उनको नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। टेकराम कंडेला को पूरे उत्तरी भारत में किसान नेता के रूप में जाना जाता है, जो लंबे समय से समाज के लिए लोगों के विभिन्न मुद्दों को मजबूती से उठाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेकराम कंडेला नेता ही नही एक ब्रांड हैं, जो विभिन्न प्रकार के लोगों की समस्याओं व मुद्दों को लेकर लंबे समय से मजबूती से उठाते आ रहे हैं। कंडेला ने कहा कि प्रदेश के डीजीपी प्रदेश के हित में अहम फैसले ले रहे हैं। फाउंडेशन को मजबूत करने के लिए फरवरी के महीने में एक जन सम्मेलन बुलाया जाएगा। जिसमें अहम फैसले लिए जाएंगें। बैठक में अजमेर दालमवाला, कृष्ण नंबरदार, कश्मीर सिंह कंडेला, बेदी रायचदंवाला, साधु राम मनोहरपुर, सज्जन पंजेठा, सतवीर सरपंच बोहतवाला, जगमोहन मनोहरपुर, रामकिशन रेढू आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

इंपॉर्टेंट डे सेलिब्रेशन कमेटी ने की गोष्ठी

राजौंद। राजकीय महाविद्यालय राजौंद में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर इंपॉर्टेंट डे सेलिब्रेशन कमेटी ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया।

सत्य भारती स्कूल में बाल दिवस मनाया

राजौंद। सत्य भारती स्कूल करोड़ा में बाल दिवस को लेकर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बच्चों को चाचा नेहरू के बारे में बताया गया और वह अपने सपनों को पूरा करें इस विषय पर चर्चा की गई। बच्चों ने दृढ़ संकल्प किया कि हम मेहनत से अपने सपनों को साकार करेंगे। बाल दिवस पर बच्चों ने ड्राइंग बनाई ,कविता सुनाई और भाषण सुनाया।

मृतकों की आत्मा की शांति के लिए रखा मौन

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक प्रधान बूटा सिंह पूनिया की अध्यक्षता में डे केयर सेंटर सैक्टर 7 जींद में हुई। गायत्री मंत्र से शुरू हुई बैठक में दिल्ली विस्फोट में मारे गये दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिये दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजली दी गई और इस प्रकार की आंतकी घटनाओं की घोर निंदा की गई। बैठक में नई डायरक्टरी छपवाने बारे निर्णय लिया गया।

किड्स मेलोडी स्कूल में मनाया बाल दिवस

नरवाना । किड्स मेलोडी स्कूल में बाल दिवस आयोजित किया गया। विद्यालय प्राचार्या नीतु गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना से हुई। मंच संचालन विद्यालय की अध्यापिकाओं द्वारा किया गया। निदेशक राजेश गोयल ने प्रथम प्रधानमंत्री पं जवाहरलाल नेहरू के जीवन और प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया।

बिरसा मुंडा जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय अलेवा में महत्वपूर्ण दिवस कमेटी द्वारा महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा जी की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या निधि गुप्ता ने की। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बिरसा मुंडा द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान के गौरवपूर्ण किस्से बताए।

एसडीएम व डीएसपी ने चलाया अभियान

जींद । सफीदों के एसडीएम पुलकित मल्होत्रा व उप पुलिस अधीक्षक गौरव शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा किसानों को पराली को खेत में मिलाकर खाद के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे न केवल भूमि की उर्वरता में वृद्धि हो रही है बल्कि किसानों के लिए आर्थिक लाभ भी सुनिश्चित हो रहे हैं। फसल अवशेष को खेत में मिलाने से मृदा में कार्बन और अन्य पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे अगली फसलों की पैदावार में भी वृद्धि होती है।

बाइक चोरी मामले में बेल जंपर गिरफ्तार

कैथल। पी.ओ./बेलजंपरो की धरपकड़ के लिए एसपी उपासना के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम अंतर्गत पीओ पकड़ो स्टाफ के एएसआई राजकुमार की टीम द्वारा आरोपी चंदाना निवासी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पर 29 अप्रैल 2020 को न्यु जनता मार्किट कैथल से एक बाइक चोरी करने का आरोप है। आरोपी को पुलिस द्वारा उक्त मामले में गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया था, लेकिन आरोपी न्यायालय से जमानत लेने उपरांत न्यायालय में दोबारा हाजिर नहीं हुआ था और भूमिगत हो गया था। आरोपी को न्यायालय ने आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में 16 सितंबर 2025 को पीओ घोषित कर दिया था।

गांव गोसाईखेड़ा, शामलो कलां, ढिगाना व निडाना का किया दौरा

एसडीएम ने फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर किसानों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। किसानों को जागरूक करते हुए एसडीएम।

जुलाना के एसडीएम होशियार सिंह ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर शनिवार को गांव गोसाई खेड़ा, शामलो कलां, ढिगाना व निडाना का दौरा किया। उन्होंने गांव दर गांव धान उपजाने वाले किसानों से मुलाकात कर फसल अवशेष प्रबंधन करने का संदेश दिया। सभी गांवों में मौके पर जाकर किसानों को पराली यानी धान अवशेष न जलाने बारे और कृषि संयंत्रों का उपयोग कर फसल अवशेषों का प्रबंध करने बारे जागरूक किया।

एसडीएम होशियार सिंह ने बताया कि अवशेष जलाना सामाजिक बुराई ही नही बल्कि कानूनी अपराध भी है और इससे प्रकृति, जमीन तथा मानव जीवन पर अत्यंत गंभीर व प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट होने के साथ-साथ प्राकृतिक प्रदूषण की वजह से मनुष्य भी अनेक जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है। लिहाजा फसल व नस्ल बचाने के लिए किसान पराली जलाने से बिल्कुल परहेज करें। उन्होंने यह भी कहा कि अवशेष प्रबंधन कर सभी किसान एक सभ्य नागरिक होने का भी परिचय दें और समाज के प्रति अपनी सकारात्मक जिम्मेदारी निभाएं। फसल अवशेष प्रबंधन करने वाले किसानों को सरकार द्वारा प्रति एकड़ 1200 रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जा रहे हैं। एसडीएम ने आगे बताया कि फसल अवशेष प्रबंध न करने वाले और अवशेषों को जलाने वाले किसान के खिलाफ नियमानुसार सख्त विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की गतिविधियों पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय भी कड़ा संज्ञान ले रहा है और न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालना सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है और अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रशासन पूर्णतया मुस्तैद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खेतों में आगजनी की गतिविधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर है। उन्होंने सभी ग्राम सचिव, पटवारी, चौकीदार, नंबरदार तथा सरपंचों को भी हिदायत दी कि वे अपने-अपने गांव में पराली न जलाने बारे प्रशासन के संदेश की बराबर मुनादी करवाते रहें। दौरे के दौरान एसडीएम होशियार सिंह के द्वारा शामलों कलां गांव के खेत में किसान द्वारा धान के अवशेष में गेहूं बिजाई कर रही मशीन सुपर सीडर तथा खेत में बेलन द्वारा बनाई गई धान अवशेष की गांठों का भी निरिक्षण किया। एसडीएम के साथ खंड कृषि अधिकारी डा. सुरजमल सहित कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं किसान मौजूद रहे।

पराली प्रबंधन की स्थिति का लिया जायजा

उचाना । पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एसडीएम दलजीत सिंह प्रतिदिन गांवों का दौरा कर पराली प्रबंधन की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। वे पराली प्रबंधन में लगी टीमों से जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें वैकल्पिक और वैज्ञानिक पराली प्रबंधन विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य जागरूकता और सहयोग के माध्यम से क्षेत्र में पराली जलाने की घटनाओं को पूरी तरह रोकना है। एसडीएम कई गांवों में पहुंचकर पराली प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि पराली जलाने से वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती हैए जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने किसानों को समझाया कि पराली प्रबंधन को अपनाकर न केवल प्रदूषण रोका जा सकता है बल्कि इससे आर्थिक लाभ भी संभव है।

जींद । बैठक को संबोधित करते हुए रिषिपाल हैबतपुर। फोटो : हरिभूमि

वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान के तहत कांग्रेस उतरेगी सड़कों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान के तहत 26 नवंबर को जींद में प्रस्तावित प्रदर्शन की रूपरेखा तय करने के लिए कांग्रेस ने शनिवार को सफीदों रोड स्थित रविदास धर्मशाला में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया।

कांग्रेस जिला प्रधान रिषीपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने शिरकत करते हुए भाजपा सरकार पर चुनाव के दौरान वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाने के साथ-साथ कहा कि यदि दौर की दशा यही रही तो तमाम पार्टियों को चुनाव से पीछे हट जाना चाहिए। जब भाजपा सरकार को संविधान और लोकतंत्र को यूंही रोंदना है तो फिर चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकता। बैलेट पेपर ही एक ऐसा रास्ता है, जिससे जनता, भाजपा की डकैती से छूटकारा पा सकती है। बैठक में जिला प्रभारी रिषी यादव ने मुख्यतौर पर शिरकत करते हुए 26 नवंबर के प्रदर्शन को लेकर कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शन की रिपोर्ट सीधे एआईसीसी मुख्यालय और हरियाणा प्रभारी के पास भेजी जाएगी। कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ता एकजूट होकर 26 को सड़कों पर उतरेंगे ताकि उठी हुई आवाज जन.जन तक पहुंच सके। कांग्रेस जिला प्रधान रिषीपाल हैबतपुर ने कहा कि 26 को जींद की सड़कों पर जन भावनाओं का जलजला उठा हुआ दिखाई देगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व विधायक सुभाष गांगोली, जींद से पार्टी प्रत्याशी रहे महाबीर गुप्ता, जुलाना विधायक प्रतिनिधि सोमवीर, सूरजभान काजल, बलराम कटवाल, वजीर गांगोली, सोमवीर पहलवान, पूर्व पार्षद अनिल जागलान, कमल चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश के एकमात्र संस्कृत विवि को जनवरी 2026 में मिलेगा स्थायी परिसर : प्रो. राजबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

कैथल । पत्रकारों को जानकारी देते हुए महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

आज महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल के कुलगुरु प्रो. राजबीर सिंह ने विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन स्थाई परिसर मूंदड़ी में चल रहे निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। कुलगुरु ने निर्माणाधीन शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, कक्षाओं तथा अन्य संरचनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गति और समय-सीमा पर विशेष चर्चा की। कुलगुरु ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनवरी 2026 तक भवन का एक हिस्सा पूर्ण रूप से तैयार कर विश्वविद्यालय को सौंप दिया जाए, ताकि आगामी सत्र के आरंभ से ही शिक्षण कार्य स्थाई परिसर में प्रारम्भ किया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गति को और तेज़ किया जाए तथा कार्य में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कुलगुरु प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार एवं मुख्यमंत्री द्वारा विश्वविद्यालय को निरंतर मिल रहा सहयोग अत्यन्त प्रशंसनीय है । इसी दिशा में अगले वर्ष से वास्तुशास्त्र एवं स्थापत्यकला' में एम.ए. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाएगा। यहपाठ्यक्रम भारतीय वास्तु विज्ञान, मंदिर स्थापत्य, नगर नियोजन तथा प्राचीन भारतीय निर्माण परम्पराओं को समझने में सहायक होगा। इसकी संपूर्ण योजना तैयार हो चुकी है और इसे लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में है।

कुलगुरु ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में कैंपस स्कूल आरम्भ किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

निरीक्षण एवं बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं कुलसचिव प्रो. संजय गोयल, परीक्षा नियंत्रक प्रो. भाग सिंह बोदला, साहित्य एवं संस्कृति संकाय अधिष्ठाता डॉ. जगत नारायण, व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र पाल वत्स, तथा डॉ. कृष्ण चन्द्र पाण्डे, डॉ. नरेश शर्मा, डॉ. अखिलेश मिश्र, डॉ. रामानन्द मिश्र, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. हरीश कुमार, एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. गोविन्द वल्लभ उपस्थित रहे।

संभावनाओं का पहचानने का अवसर खेल : मीनू

अंतर महाविद्यालय एथलीट मीट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज. ⏭ नरवाना

नरवाना। एथलीट प्रतियोगिता में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर महाविद्यालय एथलीट मीट का आयोजन शुक्रवार को के एम राजकीय महाविद्यालय व नवदीप स्टेडियम में किया गया। इस एथलीट मीट में सीआरएसयू जींद के अधीन आने वाले सभी शैक्षणिक कॉलेज व शिक्षा स्नातक कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के तौर पर प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने खेल ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।

उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती का माध्यम है बल्कि यह चरित्र निर्माण, अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी आधार है। खिलाडिय़ों के लिए यह अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने व अपने भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानने का अवसर होता है। उन्होंने इस अवसर पर भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। एथलीट मीट के आयोजक डॉ नरेश देशवाल ने मेजर सुरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम से संबंधित सभी नियमों से प्रतिभागियों को अवगत कराया व कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में अहम भूमिका अदा की। पहले दिन के एथलीट मीट के परिणाम में 200 मी दौड़ पुरुष में छोटू राम कॉलेज जींद के सचिन ने प्रथम गवर्नमेंट कॉलेज जींद के यमन ने द्वितीय तथा मेटिस डिग्री कॉलेज आंटा के भरत पांचाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुषों की ही 800 मीटर दौड़ में राजकीय महाविद्यालय जींद के आशीष ने प्रथम एल एन टी पानीपत के प्रिंस ने द्वितीय तथा के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना के साहिल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में राजकीय महाविद्यालय सफीदों की तुलसी ने प्रथमए राजकीय महाविद्यालय जींद की गरिमा ने द्वितीय तथा मैटिस डिग्री कॉलेज आंटा के हर्षिल व राजकीय महाविद्यालय सफीदों की नेहा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ध्रुव पब्लिक स्कूल में लगा बाल मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ पूंडरी

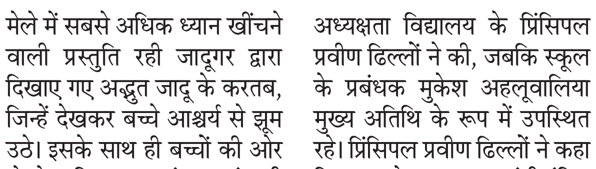
पूंडरी। पंजाबी नृत्य गिद्धा में भाग लेते स्कूल के बच्चे तथा मौजूद अभिभावक।

ध्रुव पब्लिक स्कूल फतेहपुर-पूंडरी की ओर से बाल दिवस उपलक्ष्य में एक निजी पैलेस में भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पूरे परिसर में उत्साह, उमंग और रंगारंग गतिविधियों का माहौल देखने को मिला। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, जादू का खेल, विभिन्न प्रतियोगिताएं तथा बच्चों द्वारा तैयार किए गए खिलौनों की विशेष प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। खाने-पीने के विभिन्न स्टॉल भी लगाए गए, जिन पर बच्चों और अभिभावकों की खूब भीड़ रही। मेले में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली प्रस्तुति रही जादूगर द्वारा दिखाए गए अद्भुत जादू के करतब, जिन्हें देखकर बच्चे आश्चर्य से झूम उठे। इसके साथ ही बच्चों की ओर से पेश किए गए भांगड़ा, पंजाबी गिद्धा, संस्कृत नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। अभिभावक अपने बच्चों की प्रतिभा देखकर भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रिंसिपल प्रवीण ढिल्लों ने की, जबकि स्कूल के प्रबंधक मुकेश अहलूवालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रिंसिपल प्रवीण ढिल्लों ने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से विशेष लगाव था, इसलिए उनकी जयंती पर हर वर्ष स्कूल की ओर से बाल दिवस मेला आयोजित किया जाता है।

केएम कॉलेज में महिला अधिकारों को लेकर हुआ व्याख्यान का आयोजन

नरवाना । केएम कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला अधिकारों एवं विभिन्न कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विस्तार व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्राचार्या डॉण मीनू सिंह के मार्गदर्शन में तथा महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉण मीना के नेतृत्व में किया गया। समिति सदस्य अनुपमा एवं पूजा कांसल ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। वक्ताओं ने छात्रों को उनके कानूनी अधिकारोंए शिकायत प्रक्रिया तथा कानून की भूमिका के बारे में सरल एवं प्रभावी ढंग से अवगत कराया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉण मीनू सिंह ने कहा कि कानूनी अधिकारों की जानकारी ही सशक्तिकरण का पहला कदम है।

सर्दियों में करें पशुओं की विशेष देखभाल : डा. आर्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

■ पशुपालन विभाग के उपमंडल अधिकारी ने दी जानकारी

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपमंडल अधिकारी डा. सुरेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए विशेष प्रबंध करने की आवश्यकता होती है। क्योंकि ठंड लगने पर दुधारू पशुओं की उत्पादन क्षमता पर भी असर पड़ता है। गाय, भैंस के छोटे-छोटे बच्चों और भेड़, बकरियों पर भी सर्दी का ज्यादा असर होता है। सर्दी के मौसम में पशुओं की वैसे ही देखभाल करनी चाहिए। जैसे हम अपनी करते हैं। दुधारू पशुओं को बिनौला अधिक मात्रा में खिलाना चाहिए। बिनौला दूध के अंदर चिकनाई की मात्रा बढ़ाता है। पशुओं के खाने-पीने और रहने के लिए अच्छा प्रबंध करें ताकि वह बीमार नहीं पड़े और दूध उत्पादन प्रभावित नहीं हो। सर्दियों में पशुओं को खुली जगह में नहीं रखें। ढके स्थानों में रखें। दरवाजों व खिड़कियों को टाट, बोरे से ढक दें। पशुगृह में गोबर और मूत्र निकास की उचित व्यवस्था करें।

छात्र अमनदीप ने कुश्ती में जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज. ⏭ राजौंद

राजकीय महाविद्यालय राजौंद के छात्र अमनदीप ने अपनी लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा 12 से14 नवंबर तक आयोजित अंतर महाविद्यालय कुश्ती चैम्पियनशिप 2025-26 में पुरुष ग्रीको रोमन 63 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता है। उनका यह प्रदर्शन महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। कठिन मुकाबलों के बीच अमनदीप ने अपनी तकनीक,संतुलन और शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया तथा दर्शकों और निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहताश ने अमनदीप को बधाई देते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। खेल समिति के संयोजक विक्रम ने भी अमनदीप के कठोर अभ्यास और समर्पण की प्रशंसा की।महाविद्यालय के शिक्षण स्टाफ राम मेहर सिंह व रविंद्र कुमार तथा गैर-शिक्षण स्टाफ अशोक, प्रदीप, निशु, दीपक, तरुण हरिपाल सम्मान समारोह में मौजूद रहकर छात्र का उत्साहवर्धन किया।अमनदीप की यह उपलब्धि पूरे महाविद्यालय के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

विद्यार्थियों को सिखाए सुरक्षित जीवन के सूत्र

हरिभूमि न्यूज. ⏭ कैथल

कैथल। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारी।

जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल में आज सड़क सुरक्षा पर एक अत्यंत उपयोगी जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य वक्ता के रूप में अशोका लीलैंड ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के मिस्टर पुनीत धीमान (मैनेजर ट्रेनिंग) उपस्थित रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों को सड़क के नियमों, यातायात संकेत चिन्हों के अर्थ ,हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा शराब पीकर कोई भी वाहन ना चलाएं और एक जिम्मेदार नागरिक बनने के मूल सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा की। डीएसपी मिस्टर सुशील प्रकाश ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और 'बॉडी सेफ्टी' यानी बेड टच जैसे अनुचित व्यवहार की पहचान करने और उससे बचाव के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि किसी भी असहज स्थिति में माता-पिता या शिक्षकों से तुरंत बात करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य मिस्टर पंकज गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक विषय नहीं बल्कि जीवन की रक्षा का एक संस्कार है, जो प्रत्येक छात्र को सीखना और अपनाना चाहिए। उन्होंने इस सेमिनार को विद्यार्थियों और ड्राइवरों दोनों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। अशोका लीलैंड ट्रेनिंग सेंटर, गढी पाडला से आई टीम ने वाहन सुरक्षा के तकनीकी पहलुओं पर जानकारी दी और बताया कि छोटी-छोटी सावधानियां कैसे बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती हैं।

विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण आवश्यक

जाट हाई स्कूल समिति के प्रधान राजकुमार बेनीवाल, उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, सचिव एडवोकेट रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन, तथा समिति के सदस्य जसवीर, सत्यवान माजरा, राजपाल, सन्नी, स्वतंत्र पाल, दलबीर, विक्रम महावीर कुंडू महावीर रावीश और रजत रापड़िया उपस्थित रहे। दसवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों, ड्राइवरों और कंडक्टरों ने पूरे मनोयोग से सेमिनार को सुना। सभी ने सड़क पर सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया। प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले यातायात विभाग, डीएसपी कार्यालय और अशोका लीलैंड ट्रेनिंग सेंटर, गढी पाडला की पूरी टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस तरह के उपयोगी प्रशिक्षण विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

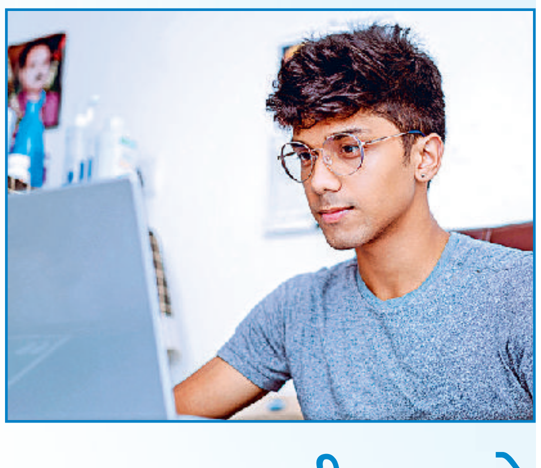

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

रौब जमाती मूंछें!

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

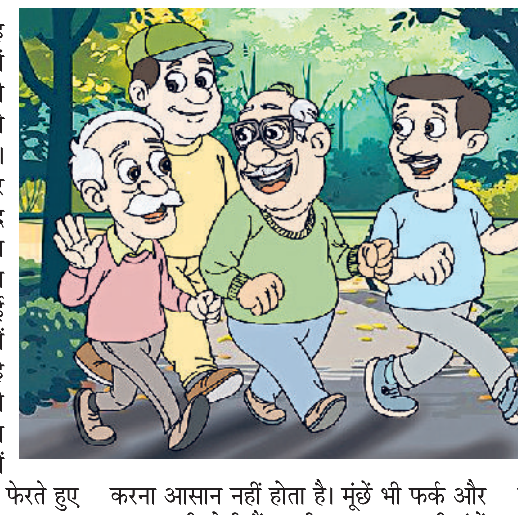

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकारः मनोज मोहन,
मूल्यः200 रु, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते
गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

टूरिस्ट स्पॉट

बुशरा फातमा

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रवाली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उसकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

रिवोना केव

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मानते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू ही हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी
करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेत: भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोत: हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेश: इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून का संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती है। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुनःअवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है। लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में एक वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी
स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहास: विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालय: इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वचछता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यान: टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएं: टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमाल: टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाक: लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानी: व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेट: आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित एवं इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है
शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

सिने ट्रेंड

कैलाश सिंह

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्में: देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंग: 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।